VIDEO Play

AUDIO

भजन

तर्ज–अगर मुझसे मोहब्बत है

अरश की मूल खिलवत में,हमें तुम ही जगाओगे
तुम्ही से हमरी निसबत है, तुम्ही पर्दा हटाओगे

1–तुम्हारे बिन ना कोई आसरा हमको नजर आए
तुम्हारे बिन कहे किसको तुम्हारे बिन कहां जाए
मगर ये भी हकीकत है हमे तुम ही बुलाओगे

2–न मुझमे कुछ रहा मेरा ना इतना बल दिया तुमने
न इतनी है खबरदारी रहूं हर दम पिया चरने
हमारी ऐसी उलझन को पिया तुम ही सुलझाओगे

3–अगर कुछ आप कहलाओ तो इतना ही कहें तुमसे
तुम्हारे बिन पिया मेरे रहा जाए ना अब हमसे
मिलेगें तुमसे खिलवत मे ये अन्तर जब मिटाओगे